धार्मिक जागृति के 12 कदम

डग बैचलर

Copyright © 2008, 2021
by Doug Batchelor

All rights reserved.
Printed in India.

Published by:
Amazing Facts India
Post Box No 51
Banjara Hills, Hyderabad
Telangana, 500034

www.AmazingFactsIndia.org

धार्मिक जागृति के 12 कदम

डग बैचलर द्वारा

दो महान चैंपियन 2

12 कदम

1. सुस्पष्ट और निर्भीक उपदेश- अगुवों के सामने भी 5
2. सरल आहार और जीवन शैली 6
3. मामूली पोशाक, सरल वस्त्र 7
4. दूसरों को चेले बनाना 9
5. पश्चाताप के उपदेश, बपतिस्मा और आत्महित के लिए समाप्ति 10
6. प्रकट विनम्रता 11
7. धार्मिक उत्पीड़न सहन करना 11
8. राजा के आगे आगे दौड़ना 13
9. परमेश्वर की महिमा करने में सर्वोच्च रुचि 14
10. परमेश्वर की वेदी की मरम्मत 14
11. संदेश धर्मसुधार जागृत करते हैं 15
12. लोगों को मसीह की ओर इंगित करें 17

परमेश्वर की सेना (प्रजा) 17

एक अद्भुत तथ्यः वैज्ञानिकों ने हमें बताया कि हमारी आवाजों द्वारा गति में निर्धारित ध्वनि तरंगें अंतरिक्ष के माध्यम से एक अंतहीन यात्रा पर जाती हैं, और यह कि, अगर हमारे पास पर्याप्त नाजुक उपकरणों के साथ लंबे समय तक किसी न किसी ग्रह पर खड़े रहने की शक्ति होती, तो हम उन्हें फिर से खोज सकते थे और उन शब्दों को फिर से बनाने में सक्षम हो सकते हैं जो हमने यहां पृथ्वी पर बोले थे।

दो महान चैंपियन

एक गुनगुनी कलीसिया और परमेश्वर के स्वच्छंद बच्चों के युग में, लोगों को नायकों, महान पुरुषों और महिलाओं की आवश्यकता होती है जिन्हें हम रोल मॉडल और संरक्षक के रूप में देख सकते हैं ताकि प्रभु के साथ हमारे रिश्ते में वास्तविक जुनून वापस ला सकें। बाइबल के भविष्यद्वक्ता, जिन्होंने विशेष संदेश और विश्वास के प्रचार की घोषणा की, उत्कृष्ट अगुवे हैं, जिन का हम अनुकरण कर सकते हैं, और पवित्र लेखन के दो सबसे बड़े चैंपियन, जो विशेष रूप से एलिय्याह और यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला हैं।

परमेश्वर ने अपने समय में शक्तिशाली धार्मिक जागृति को प्रभावित करने के लिए इन दोनों पुरुषों का उपयोग किया, और वह आज आपके जीवन में और कलीसिया में आज भी

ऐसा ही करना चाहता है। **मलाकी 4:5, 6** कहता है, *''देखो, यहोवा के उस बड़े और भयानक दिन के आने से पहिले, मैं तुम्हारे पास एलिय्याह भविष्यद्वक्ता को भेजूंगा। और वह माता पिता के मन को उनके पुत्रों की ओर, और पुत्रों के मन को उनके माता-पिता की ओर फेरेगा; ऐसा न हो कि मैं आकर पृथ्वी को सत्यानाश करूं"* (जोर दिया गया है)।

शायद हमें पहले यह समझने में एक पल बिताना चाहिए कि इस पद का क्या मतलब नहीं है। यीशु के समय में, बहुतों का मानना था कि एलिय्याह पृथ्वी पर फिर से रहने के लिए सचमुच स्वर्ग से वापस आ जाएगा, या संभवतः एक नए आदमी में पुनर्जन्म होगा। यीशु ने एक बार शिष्यों से पूछा था, "लोग किसे कहते हैं कि मैं हूं? उन्होंने उत्तर देते हुए कहा, "यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला और कोई कोई एलियास (एलिय्याह का यूनानी रूप), और कोई यह कि पुराने भविष्यद्वक्ताओं में से कोई जी उठा है" (**लूका 9:18, 19**)।

यहूदी इस उम्मीद के साथ रहते थे कि एलिय्याह जल्द ही मसीहा के आगमन की घोषणा करने आएगा। लेकिन मलाकी की इस भविष्यवाणी का कभी यह मतलब नहीं था कि पुराने नियम का भविष्यद्वक्ता पृथ्वी पर लौट आएगा।

इसके बजाय, यह एलिय्याह में धार्मिक जागृति और सुधार की आत्मा थी जिसके वापस आने की भविष्यवाणी की गई थी। यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के जन्म की बात करते हुए स्वर्गदूत जिब्राईल ने जकर्याह से कहा, ''वह एलिय्याह

की आत्मा और सामर्थ में हो कर प्रभु के आगे आगे चलेगा। वह पिताओं का हृदय उनकी संतानों की ओर वापस मोड़ देगा और वह आज्ञा ना मानने वालों को ऐसे विचारों की ओर प्रेरित करेगा जिससे वे धर्मियों के जैसे विचार रखें। यह सब, वह लोगों को प्रभु की खातिर तैयार करने के लिए करेगा।” (**लूका 1:17**)।

सबसे पहले जिब्राईल ने बताया कि यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने मलाकी में भविष्यवाणी को पूरा किया। धार्मिक जागृति और सुधार का एक विशेष कार्य करने के लिए यूहन्ना को प्रभु से पहले होना था। यीशु ने बाद में इस तथ्य की पुष्टि की जब उसने कहा, ‘यूहन्ना तक सारे भविष्यद्वक्ता और व्यवस्था भविष्यद्ववाणी करते रहे। और चाहो तो मानो, एलिय्याह जो आनेवाला था, वह यही है" (**मत्ती ११:१३, १४**)।

हालांकि, मलाकी की भविष्यवाणी का समापन यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के साथ समाप्त नहीं होता है। एक आधुनिक दिन की पूर्ति भी है। ध्यान दें कि भविष्यवाणी कहती हैः ‘‘देखो, यहोवा के उस बड़े और भयानक दिन के आने से पहिले, मैं तुम्हारे पास एलिय्याह भविष्यद्वक्ता को भेजूंगा।"- **प्रकाशितवाक्य 6:17** में “प्रभु का महान और भयानक दिन”, जिसे “उनके प्रकोप का महान दिन” भी कहा जाता है, दूसरे आगमन का पर्याय है। इसलिए यह दूसरी पूर्ति हमें यीशु के लौटने से ठीक पहले की अवधि की ओर इशारा करती है!

एक शाब्दिक अर्थ में, वास्तविक धार्मिक जागृति परिवार

में प्रेम की एक नई अभिव्यक्ति लाता है और फिर वहां से, यह समुदाय में फैलता है। किसी भी समाज, सरकार या कलीसिया की सबसे बुनियादी इकाई परिवार है। परमेश्वर की आत्मा के उंडेले जाने का नतीजा प्रेम होगा और इससे उसकी आज्ञाओं का पालन होगा। यीशु ने कहा, ''अगर तुम मुझसे प्रेम रखते हो, तो मेरी आज्ञाओं का पालन करो" (**यूहन्ना 14:15**)। इसलिए एक आध्यात्मिक अर्थ में, एलिय्याह और यूहन्ना के संदेश की आत्मा आज भी अवज्ञाकारी सांसारिक बच्चों को अपने स्वर्गीय पिता के साथ एकजुट करने के लिए काम करेगी। तो चलिए बस कुछ समय के लिए देखें कि कैसे इन दो महान भविष्यद्वक्ताओं ने प्रभु की ओर से आज्ञाकारिता और कार्यवाही के एक नए आशा-भरे संदेश को लाने में मदद की- दूसरे शब्दों में, सच्ची धार्मिक जागृति। 12 विशेषताएँ, जो एलिय्याह की आत्मा और सामर्थ का एक हिस्सा हैं, मसीह के लौटने से पहले अंतिम दिनों में भी होंगी।

1. सुस्पष्ट और निर्भीक उपदेश- अगुवों के सामने भी

- ***एलिय्याह***- एलिय्याह ने अहाब से कहा, "मैं ने इस्राएल को कष्ट नहीं दिया, परन्तु तू ही ने और तेरे पिता के घराने ने दिया है; क्योंकि तुम यहोवा की आज्ञाओं को टाल कर बाल देवताओं की उपासना करने लगे" (**1 राजा 18:18**)।

- ***यूहन्ना***- ''क्योंकि यूहन्ना ने हेरोदेस से कहा था, कि अपने

भाई की पत्नी को रखना तुझे उचित नहीं" (**मरकुस 6:18**)।

यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला और एलिय्याह दोनों शासकों और सरकारों के सामने एक सीधा संदेश देने में निडर थे। यीशु ने कहा कि यह अंतिम दिनों में फिर से होगा। ''तुम मेरे कारण हाकिमों और राजाओं के आगे खड़े किए जाओगे, ताकि उन के लिये गवाही हो" (**मरकुस 13:9**)।

हमें पुरुषों के बीच नहीं बल्कि परमेश्वर के साथ अपनी स्वीकृति पाने की इच्छा करनी चाहिए। एक महान धार्मिक जागृति लाने के लिए, एलिय्याह का संदेश स्पष्ट, असम्बद्ध और कभी-कभी अलोकप्रिय सत्य साहसपूर्ण उद्घोषणा होना चाहिए।

''क्योंकि ऐसा समय आएगा, कि लोग खरा उपदेश न सह सकेंगे पर कानों की खुजली के कारण अपनी अभिलाषाओं के अनुसार अपने लिये बहुतेरे उपदेशक बटोर लेंगे। और अपने कान सत्य से फेरकर कथा-कहानियों पर लगाएंगे" **2 तीमुथियुस 4:3, 4**।

2. सरल आहार और जीवन शैली

- ***एलिय्याह***- ''उसने उसे पुकार के कहा अपने हाथ में एक टुकड़ा रोटी भी मेरे पास लेती आ" (**1 राजा 17:11**)।
- ***यूहन्ना***- ''वह टिड्डियाँ और वन मधु खाया करता था" (**मरकुस 1:6**)।

एलिय्याह और यूहन्ना दोनों अपने सरल आहार और जंगल के रहने के लिए जाने जाते थे। इन बुनियादी कठोरता ने उनके मानसिक संकायों और उनके शरीर को मजबूत रखा, कि वे उस विशेष कार्य के लिए तैयार रहे जो परमेश्वर ने उन्हें करने के लिए कहा था।

''सो तुम चाहे खाओ, चाहे पीओ, चाहे जो कुछ करो, सब कुछ परमेश्वर की महिमा के लिये करो" (**1 कुरिन्थियों 10:31**)।

इसी तरह, आखिरी दिनों में कलीसिया को इस सच्चाई को पुनः प्रचलित करना चाहिए कि शरीर और आत्मा के बीच एक मजबूत संबंध है। हम क्या खाते हैं और पीते हैं, साथ ही साथ हमारे व्यक्तिगत जीवन की आदतों का भी हमारी मानसिक स्पष्टता और सत्य को समझने की क्षमता पर सीधा प्रभाव पड़ता है। प्रलोभन का विरोध करने की शक्ति का कुछ हद तक एक साधारण आहार और उदारवादी जीवन शैली पता लगाया जा सकता है। याद रखें, गलत चीज खाने के परिणामस्वरूप मानव जाति पर पाप आया।

''हे देश, तू धन्य है जब तेरा राजा कुलीन है; और तेरे हाकिम समय पर भोज करते हैं, और वह भी मतवाले होने को नहीं, वरन बल बढ़ाने के लिये!" (**सभोपदेशक 10:17**)।

3. मामूली पोशाक, सरल वस्त्र

- ***एलिय्याह***- ''वह व्यक्ति एक रोयेंदार अँगरखा पहने था

और अपनी कमर में एक चमड़े की पेटी बाँधे हुए था।" (**2 राजा 1:8**)।

- ***यूहन्ना-***''यूहन्ना ऊंट के रोम का वस्त्र पहिने और अपनी कमर में चमड़े का पटुका बान्धे रहता था" (**मरकुस 1:6**)।

ऐसे समय में जब राजा और याजक आभूषण पहनना पसंद करते थे और लंबे, ढीले वस्त्र, एलियाह और यूहन्ना की शालीनता और सादगी एक डांट फटकार थी।

हम एक ऐसे युग में रहते हैं, जहाँ कभी-कभी तड़क-भड़क और फैशन पर अधिक ध्यान नहीं दिया जाता है। आधुनिक कपड़ों के डिजाइनरों का मुख्य लक्ष्य किसी व्यक्ति की कामुकता को उजागर करना है।

अफसोस की बात यह है कि शरीर वेधन से लेकर टैटू (शरीर को गोदना) तक सब कुछ अनुभवी मसीहियों के बीच भी लिप्त है। एक बार फिर, कलीसिया को शालीन कपड़ों और प्रतीति के माध्यम से विनम्रता और सादगी के अपने उदाहरण से मसीह की गवाही के लिए अंतिम दिन के एलिय्याह की जरूरत है।

''और नये मनुष्यत्व को पहिन लो, जो परमेश्वर के अनुसार सत्य की धामिर्कता, और पवित्रता में सृजा गया है"(**इफिसियों 4:24**)। ''इसी प्रकार स्त्रियों से भी मैं यह चाहता हूँ कि वे सीधी-साधी वेश-भूषा में शालीनता (शिष्टता) और आत्म-नियन्त्रण (संयम) के साथ रहें। अपने आप को सजाने

सँवारने के लिए वे केशों की वेणियाँ न सजाएं तथा सोने, मोतियों और बहुमूल्य वस्त्रों (आवरण) से श्रृंगार न करें" (**1 तीमुथियुस 2:9**)।

4. दूसरों को चेले बनाना

- ***एलिय्याह-*** ''तब वह वहां से चल दिया, और शापात का पुत्र एलीशा उसे मिला।.... उसके पास जा कर एलिय्याह ने अपनी चद्दर उस पर डाल दी" (**1 राजा 19:19**)।

- ***यूहन्ना-*** ''और यूहन्ना को उसके चेलों ने इन सब बातों का समाचार दिया" (**लूका 7:18**)।

पवित्र शास्त्र रिकॉर्ड करता है कि एलिय्याह ने न केवल एलीशा को अपना शिष्य बनाया, बल्कि उसने भविष्यद्वक्ताओं के संप्रदायों का भी दौरा किया (इसे ''भविष्यद्वक्ताओं के शिष्यों" के रूप में भी अनुवादित किया गया), जो इस्राएल की भूमि (**2 राजा 2**) में बिखरे हुए थे। इन प्रशिक्षण केंद्रों ने व्यावहारिक कार्य कौशल के साथ आध्यात्मिक शिक्षा को जोड़ा, और वहां प्रशिक्षित युवा दूसरों को परमेश्वर के तरीके सिखाने के लिए पूरे इस्राएल गए।

इसी तरह, यूहन्ना ने अपने शिष्यों को सिखाकर उनके विश्वास को फिर से बढ़ाया। यूहन्ना और एलिय्याह दोनों ने अपना अधिकांश समय याजकों और लेवियों को नहीं, बल्कि आम लोगों को प्रशिक्षित करने में बिताया। इसी तरह, परमेश्वर

का अंतिम महान आंदोलन अकेले पादरियों के नेतृत्व में नहीं होगा, बल्कि आत्मा से भरे हुए जन साधारण भी होंगे। यही कारण है कि एलिय्याह संदेश को परमेश्वर की कलीसिया के प्रत्येक सदस्य के प्रशिक्षण, अनुशासन और गतिशीलता पर ध्यान देना चाहिए।

5. पश्चाताप के उपदेश, बपतिस्मा और आत्महित के लिए समाप्ति

- ***एलिय्याह***- ''फिर एलिय्याह ने उस से कहा, यहोवा मुझे यरदन तक भेजता है" **(2 राजा 2:6**)
- ***यूहन्ना***- ''तब यरूशलेम के और सारे यहूदिया के, और यरदन के आस पास के सारे देश के लोग उसके पास निकल आए। और अपने अपने पापों को मानकर यरदन नदी में उस से बपतिस्मा लिया" (**मत्ती 3:5, 6**)।

एलिय्याह संदेश का एक पहचान चिह्न यह है कि यह लोगों को यरदन नदी पर बुलाता है - जो पश्चाताप और बपतिस्मे का प्रतीक है। इस्राएल के संतान को प्रतिश्रुत देश में प्रवेश करने के लिए यरदन को पार करना था, जैसे कि हम बपतिस्मा के पानी में प्रवेश करते हैं और पार कर एक नए जीवन में जाते हैं। कलीसिया के लिए यीशु के महान कार्यभार का भविष्य में सबसे अच्छा समय होगा, जब एक बार फिर आधुनिक एलिय्याह विस्फोटक, पेंटेकोस्टल जैसी संख्याओं

में मसीह में परिवर्तितों को बपतिस्मा देंगे।

6. प्रकट विनम्रता

- ***एलिय्याह-*** ''तब अहाब खाने पीने चला गया, और एलिय्याह कार्मेल की चोटी पर चढ़ गया, और भूमि पर गिर कर अपना मुंह घुटनों के बीच किया" (**1 राजा 18:42**)।

- ***यूहन्ना-*** ''जो मेरे बाद आनेवाला है, वह मुझ से शक्तिशाली है; मैं उस की जूती उठाने के योग्य नहीं" (**मत्ती 3:11**)।

यीशु के दोबारा आने से पहले, परमेश्वर के लोगों ने अहंकार और गर्व के युग में यीशु के नम्र और विनम्र चरित्र को प्रतिबिंबित करना सीखा होगा। ''हे मनुष्य, वह तुझे बता चुका है कि अच्छा क्या है; और यहोवा तुझ से इसे छोड़ और क्या चाहता है, कि तू न्याय से काम करे, और कृपा से प्रीति रखे, और अपने परमेश्वर के साथ नम्रता से चले? (**मीका 6:8**)।

7. धार्मिक उत्पीड़न सहन करना

- ***एलिय्याह-*** ''तब ईजेबेल ने एलिय्याह के पास एक दूत के द्वारा कहला भेजा, कि यदि मैं कल इसी समय तक तेरा प्राण उनका सा न कर डालूं तो देवता मेरे साथ वैसा ही वरन उस से भी अधिक करें" (**1 राजा 19:2**)।

- ***यूहन्ना-*** ''उस ने बाहर जाकर अपनी माता (हेरोदियास) से पूछा, कि मैं क्या मांगूं? वह बोली; यूहन्ना बपतिस्मा देने

वाले का सिर" (**मरकुस 6:24**) ।

पुराने नियम में, इजेबेल नाम की एक बुतपरस्त रानी ने इस्राएल के राजा अहाब से शादी की थी। इजेबेल और उसकी बेटी, अठाल्याह ने परमेश्वर के लोगों को सताया और एलिय्याह और दूसरे भविष्यद्वक्ताओं को मारने के लिए अहाब को लुभाने की कोशिश की।

नए नियम में, हेरोदियास, राजा हेरोदेस की मूर्तिपूजक पत्नी, और उसकी बेटी सैलोम यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले को मारने के लिए हेरोदेस को लुभाने में सफल रही।

एलिय्याह और यूहन्ना द्वारा अनुभव किए गए उत्पीड़न को जल्द ही दोहराया जाएगा। अंतिम दिनों में, प्रकाशितवाक्य हमें ''वेश्याओं की माँ" बताता है और उनकी बेटियाँ परमेश्वर की शेष सन्तान, अंतिम दिन एलिय्याहों को सताएंगी।

''और अजगर स्त्री पर क्रोधित हुआ, और उसकी शेष सन्तान से जो परमेश्वर की आज्ञाओं को मानते, और यीशु की गवाही देने पर स्थिर हैं, लड़ने को गया। और वह समुद्र के बालू पर जा खड़ा हुआ" (**प्रकाशितवाक्य 12:17**)

''और उसके माथे पर यह नाम लिखा था, भेद, बड़ा बाबुल, पृथ्वी की वेश्याओं और घृणित वस्तुओं की माता। और मैं ने उस स्त्री को पवित्र लोगों का लहू और यीशु के गवाहों का लहू पीने से मतवाली देखा और उसे देख कर मैं चकित हो गया" (**प्रकाशितवाक्य 17:5, 6**)।

8. राजा के आगे आगे दौड़ना

- ***एलिय्याह***- ''तब यहोवा की शक्ति एलिय्याह पर ऐसी हुई; कि वह कमर बान्धकर अहाब के आगे आगे यिज्रेल तक दौड़ता चला गया" (**1 राजा 18:46**)।

- ***यूहन्ना*** - ''जैसे यशायाह भविष्यद्वक्ता के कहे हुए वचनों की पुस्तक में लिखा है, कि जंगल में एक पुकारने वाले का शब्द हो रहा है कि प्रभु का मार्ग तैयार करो, उस की सड़कें सीधी बनाओ" (**लूका 3:4**)।

बाइबल के समय में जब एक सम्राट यात्रा करता था, तो आनेवाले राजा के लिए रास्ता तैयार करने के लिए नौकर अक्सर आगे आगे दौड़ते थे। वे सड़क पर चट्टानों और बाधाओं को साफ करते थे, गड्ढों को भरते थे, ऊंचे स्थानों को काटते थे और टेढ़े-मेढ़े मोड़ों को सीधा करते थे। उसी तरह, अंतिम दिनों में एलिय्याह संदेश का प्रचार करने वालों को हमारे राजा यीशु के आने के लिए लोगों को तैयार करने में मदद मिलेगी। वे एक संदेश की घोषणा करेंगे जो मुक्ति के रास्ते को स्पष्ट, सादा और समझने में आसान बनाता है।

''फिर मैं ने एक और स्वर्गदूत को आकाश के बीच में उड़ते हुए देखा जिस के पास पृथ्वी पर के रहने वालों की हर एक जाति, और कुल, और भाषा, और लोगों को सुनाने के लिये सनातन सुसमाचार था" (**प्रकाशितवाक्य 14:6**)।

9. परमेश्वर की महिमा करने में सर्वोच्च रुचि

- ***एलिय्याह-*** ''हे यहोवा! मेरी सुन, मेरी सुन, कि ये लोग जान लें कि हे यहोवा, तू ही परमेश्वर है, और तू ही उनका मन लौटा लेता है" (**1 राजा 18:37**)।

- ***यूहन्ना-*** ''अवश्य है कि वह बढ़े और मैं घटूं" (**यूहन्ना 3:30**)।

एलिय्याह संदेश का प्रचार करने वाले लोग परमेश्वर को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता देंगे। वे पूरी तरह से परमेश्वर के उद्देश्य के लिए पवित्र होंगे, जैसे यूहन्ना और एलिय्याह थे। वे ऐसा कोई भी बलिदान करने के लिए तैयार होंगे जो दूसरों को बचाया जा सके - दूसरे शब्दों में, परमेश्वर के काम में खर्च करने और प्रयुक्त होंने के लिए।

''इसलिये हे भाइयों, मैं तुम से परमेश्वर की दया स्मरण दिला कर बिनती करता हूं, कि अपने शरीरों को जीवित, और पवित्र, और परमेश्वर को भावता हुआ बलिदान करके चढ़ाओ; यही तुम्हारी आत्मिक सेवा है" (**रोमियो 12:1**)।

10. परमेश्वर की वेदी की मरम्मत

- ***एलिय्याह-*** ''तब एलिय्याह ने सब लोगों से कहा, मेरे निकट आओ; और सब लोग उसके निकट आए। तब उसने यहोवा की वेदी की जो गिराई गई थी मरम्मत की" (**1 राजा 18:30**)।

- ***यूहन्ना***- ''उन दिनों में यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला आकर यहूदिया के जंगल में यह प्रचार करने लगा। कि मन फिराओ; क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट आ गया है" (**मत्ती 3:1, 2**)।

एलिय्याह संदेश ''उस विश्वास के लिये जो पवित्र लोगों को एक ही बार सौंपा गया था" वापस लौटने के लिए एक तुरही का आह्वान होगा। आज, जब बहुत से लोग हमें बता रहे हैं कि बाइबल की शिक्षाएँ पुराने जमाने की हैं और समय को बेहतर बनाने के लिए इसे संशोधित करने की जरूरत है, तो हमें यह याद दिलाने की सख्त जरूरत है कि परमेश्वर ने कहा है, ''क्योंकि मैं यहोवा बदलता नहीं" (**मलाकी 3:6**)।

''और तेरे वंश के लोग बहुत काल के उजड़े हुए स्थानों को फिर बसाएंगे; तू पीढ़ी पीढ़ी की पड़ी हुई नींव पर घर उठाएगा; तेरा नाम टूटे हुए बाड़े का सुधारक और पथों का ठीक करने वाला पड़ेगा" (**यशायाह 58:12**)।

11. संदेश धर्मसुधार जागृत करते हैं

- ***एलिय्याह***- ''अब दूत भेज कर सारे इस्राएल को मेरे पास कार्मेल पर्वत पर इकट्ठा कर ले ....और एलिय्याह सब लोगों के पास आकर कहने लगा, तुम कब तक दो विचारों में लटके रहोगे? यदि यहोवा परमेश्वर हो, तो उसके पीछे हो लो" (**1 राजा 18:19-21**)।

- ***यूहन्ना-*** ‘‘यूहन्ना आया, जो जंगल में बपतिस्मा देता, और पापों की क्षमा के लिये मन फिराव के बपतिस्मा का प्रचार करता था। और सारे यहूदिया देश के, और यरूशलेम के सब रहने वाले निकलकर उसके पास गए, और अपने पापों को मानकर यरदन नदी में उस से बपतिस्मा लिया" (**मरकुस 1:4, 5**)।

एलिय्याह और यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के दिनों में, परमेश्वर के लोग अपने आसपास के बुतपरस्तों से भ्रष्ट हो गए थे और उन्होंने परमेश्वर की सच्चाई से समझौता कर लिया था (**1 राजा 19:14; मत्ती 3:1, 2**)। इन दो बहादुर भविष्यद्वक्ताओं ने एक संदेश दिया जिसने परमेश्वर के लोगों के बीच धार्मिक जागृति और सुधार को बढ़ावा दिया।

आज, एक बार फिर, ऐसा लगता है कि मसीही धर्म का अधिकांश हिस्सा गुनगुना और सांसारिक है। यदि परमेश्वर के घर में निर्णय शुरू होने जा रहा है (**यहेजकेल 9:6; 1 पतरस 4:17**), तो निश्चित रूप से धार्मिक जागृति भी शुरू होना चाहिए! चूंकि परमेश्वर की योजना है कि उसके लोग पूरी दुनिया तक पहुंचे, उसे पहले एलिय्याह संदेश कलीसिया में पहुँचाना होगा।

पुराने नियम में, एलिय्याह ने कार्मेल पर्वत पर लोगों की पश्चाताप करने के लिए और परमेश्वर की ओर मन फिराने के लिए अगुवाई की । तब उसने प्रार्थना की, और परमेश्वर ने सूखे को समाप्त करने के लिए प्रचुर वर्षा भेजी। इसी तरह,यूहन्ना

बपतिस्मा देने वाले ने अपने समय के लोगों को पश्चाताप करने और यीशु को स्वीकार करने के लिए कहा। इसके तुरंत बाद, उन्होंने पेंटाकोस्ट पर पवित्र आत्मा की पूर्व वर्षा प्राप्त की। आधुनिक एलिय्याह भी पश्चाताप का संदेश देंगे। तब, जब कलीसिया खुद को नम्र करती है, परमेश्वर के आत्मा के अन्त की वर्षा गिर जाएगी।

12. लोगों को मसीह की ओर इंगित करें

- ***एलिय्याह-*** "एलिय्याह भविष्यद्वक्ता समीप जा कर कहने लगा, हे इब्राहीम, इसहाक और इस्राएल के परमेश्वर यहोवा! आज यह प्रगट कर कि इस्राएल में तू ही परमेश्वर है" (**1 राजा 18:36**)

- ***यूहन्ना-*** ''दूसरे दिन यूहन्ना ने यीशु को अपनी ओर आते देखकर कहा, देखो, यह परमेश्वर का मेमना है, जो जगत के पाप उठा ले जाता है" (**यूहन्ना 1:29**)।

आधुनिक एलिय्याह की जलती हुई इच्छा लोगों को यीशु की ओर मोड़ने के लिए होगी, कि वे उसे जान सकें और हमेशा की जिंदगी पा सकें।

परमेश्वर की सेना (प्रजा)

यदि प्रभु ने महसूस किया कि यीशु के पहले आगमन के

लिए इस्राएल को तैयार करने के लिए एक विशेष दूत भेजना महत्वपूर्ण है, तो उसके लिए यीशु के दूसरे आगमन के लिए कलीसिया को जागृत करने एक विशेष संदेश और संदेशवाहक भेजना कितना महत्वपूर्ण है - उद्धार का चरमोत्कर्ष!

उसी तरह जिस तरह से प्रभु ने एलिय्याह और यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले को धार्मिक जागृति और तैयारी का काम करने के लिए सशक्त किया था, परमेश्वर आज धार्मिक जागृति का एक बड़ा काम करने के लिए अंतिम-दिन एलिय्याहों की सेना तैयार कर रहा हैं।

अमेज़िंग फैक्ट्स आपको इस महान, अंतिम समय के एलिय्याह संदेश देने का एक हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित करता हैं- ''प्रभु के लिये एक योग्य प्रजा तैयार करने के लिए" (**लूका 1:17**)।

''अपने मार्ग की चिन्ता यहोवा पर छोड़; और उस पर भरोसा रख, वही पूरा करेगा" (**भजन संहिता 37:5**)।

जब कोई दूल्हा और दुल्हन पादरी के सामने खड़े होते हैं, तो वे कुछ बहुत व्यापक और स्थायी प्रतिज्ञाएँ करते हैं ... वादे जो हमेशा के लिए रहते हैं। उन्हें क्या विश्वास दिलाता है कि वे इन प्रतिज्ञाओं को पूरा कर सकते हैं? उनमें एक मजबूत प्रेम और प्रतिबद्धता की गहरी भावना है। उसी तरह, जब हम बपतिस्मा लेने पर अपनी प्रतिज्ञाएँ करते हैं, तो हमें समझना चाहिए कि इसका मतलब है ''बीमारी और स्वास्थ्य में, समृद्धि और प्रतिकूलता में, धूप और बारिश में।"

परमेश्वर की कलीसिया परिवार में किसी भी सांसारिक परिवार के समान उतार और चढ़ाव होंगे, लेकिन अगर हम यीशु से प्यार करते हैं और अपने लोगों से प्यार करते हैं, तो यह एक अनमोल अनुभव बन जाता है जो किसी भी परीक्षण में बना रहेगा।

मुझे लगता है कि हम कभी-कभी इस बात को कम आंकते हैं कि एक पूरी तरह से परिवर्तित, प्रतिबद्ध ईसाई के माध्यम से परमेश्वर कितना कर सकते हैं! एक साधारण व्यक्ति, एलिय्याह की प्रार्थना और विश्वास के माध्यम से, इस्राएल देश परमेश्वर की ओर लौट गया। बाइबल का वायदा हैः ''इसलिये तुम आपस में एक दूसरे के साम्हने अपने अपने पापों को मान लो; और एक दूसरे के लिये प्रार्थना करो, जिस से चंगे हो जाओ; धर्मी जन की प्रार्थना के प्रभाव से बहुत कुछ हो सकता है। एलिय्याह भी तो हमारे समान दुख-सुख भोगी मनुष्य था; और उस ने गिड़िगड़ा कर प्रार्थना किया,कि मेंह न बरसे; और साढ़े तीन वर्ष तक भूमि पर मेंह नहीं बरसा। फिर उस ने प्रा-र्थना की, तो आकाश से वर्षा हुई, और भूमि फलवन्त हुई" (**याकूब 5:16-18**)।

राजा दाऊद भी हमें याद दिलाता है,”*अपने मार्ग की चिन्ता यहोवा पर* छोड़ *और उस पर भरोसा रख,* वही पूरा करेगा" (**भजन संहिता 37:5**)।

पौलुस कहता हैं, ''मैं उसे जिस की मैं ने प्रतीति की है, जानता हूं; और मुझे निश्चय है, कि वह मेरी थाती की उस दिन

तक रखवाली कर सकता है।'' (**2 तीमुथियुस 1:12**)।

और निश्चित रूप से, पूर्ण प्रतिबद्धता का उदाहरण यीशु है। ''वह गाली सुन कर गाली नहीं देता था, और दुख उठा कर किसी को भी धमकी नहीं देता था, पर अपने आप को सच्चे न्यायी के हाथ में सौंपता था" (**1 पतरस 2:21-23**)।

यहां प्रतिबद्धता पर मेरे पसंदीदा बयानों में से एक है। यह एलेन जी व्हाइट, हमारे सबसे महान मसीही लेखकों, में से एक हैः

"दुनिया की सबसे बड़ी जरूरत पुरुषों की जरूरत है - वे पुरुष जिन्हें खरीदा या बेचा नहीं जाएगा; वे पुरुष जो अपनी सर्वोच्च आत्माओं में सच्चे और ईमानदार हैं; ऐसे पुरुष जो पाप को इसके सही नाम से कहने से नहीं डरते; ऐसे पुरुष जिनकी अंतरात्मा कर्तव्य के प्रति उतनी ही सच्ची है जितनी कि ध्रुव की सुई; पुरुष जो आकाश के गिरने के बावजूद सच्चाई के लिए खड़े होंगे" (शिक्षा, पृष्ठ 57)।

प्रिय मित्र, मुझे पता चला है कि अगर इच्छा वास्तव में है, तो परमेश्वर की मदद से, कोई व्यक्ति लगभग कुछ भी कर सकता है जो वह चाहता है। मैंने यह भी सीखा है कि जहां विश्वास और आशा है, वहां सभी चीजें उसके लिए संभव हैं जो विश्वास करता हैं। यदि आप वास्तव में इच्छा और विश्वास करते हैं, तो आप कलीसिया में जोशपूर्ण, आत्मा से भरपूर मसीही के रूप में बने रह सकते हैं और सफल हो सकते हैं।

हालाँकि, यीशु के बिना हम निश्चित रूप से आगे के

तूफानी समय में डूब जाएंगे।

मित्र, यह आगे के तूफानी समय में बने रहने का एकमात्र तरीका हैः अपनी नाव में यीशु मसीह को रखें। उसे रस्सियों और पतवार को पकड़ने दें और वह आपको जीवन के तूफानों से निकाल लेगा और सुरक्षित रूप से तुम्हें स्वर्ग के बंदरगाह तक ले जाएगा।

इसलिए, मैं आपको आज एक दृढ़ प्रतिज्ञा करने के लिए कहता हूं ... आपका कप्तान, परमेश्वर और उद्धारकर्ता बनने के लिए और आपको उसकी आत्मा से भरने के लिए उससे प्रार्थना करें ...और उसके बाद जहाँ भी वह जाता है, उसका ईमानदारी से अनुसरण करें।

आपने पढ़ा है कि कैसे परमेश्वर ने अपनी अद्भुत कृपा और उसके बाद आने वाले अद्भुत परिणामों को साझा करने के लिए एलिय्याह का उपयोग किया। अब जरा सोचिए कि पूरे विश्व भर में लोगों को यीशु के पास बुला रहे लाखों अंतिम दिन के एलिय्याह क्या करेंगे। मैं आशा और प्रार्थना करता हूं कि आप इनमें से एक होंगे।

अपने हाथ को हल पर रखने के लिए चुनकर, कसकर पकड़े हुए, और कभी पीछे मुड़कर नहीं देखकर, आप अब मेरे साथ यीशु के प्रति प्रतिबद्धता का संकल्प करने में क्यों नहीं जुड़ जाते?

''तब उसने कहा, देख, तेरी जिठानी तो अपने लोगों और अपने देवता के पास लौट गई है; इसलिए तू अपनी जिठानी

के पीछे लौट जा। रूत बोली, तू मुझ से यह बिनती न कर, कि मुझे त्याग वा छोड़कर लौट जा क्योंकि जिधर तू जाए उधर मैं भी जाऊंगी; जहां तू टिके वहां मैं भी टिकूंगी; तेरे लोग मेरे लोग होंगे, और तेरा परमेश्वर मेरा परमेश्वर होगा; जहां तू मरेगी वहां मैं भी मरूंगी, और वहीं मुझे मिट्टी दी जाएगी। यदि मृत्यु छोड़ और किसी कारण मैं तुझ से अलग होऊं, तो यहोवा मुझ से वैसा ही वरन उस से भी अधिक करे" (**रूत 1:15–17**)।

AMAZING FACTS
India

हमारी मुफ़्त बाइबिल अध्ययन
पाठ्यक्रम को ना चूकें।
BibleStudy.AFTV.in
पर आज ही नामांकन करें!

AMAZING FACTS
India
परमेश्वर का संदेश हमारा मिशन है

BOOKSTORE.AFTV.IN

पर जाएं जहां आप कई भाषाओं में मसीही सामग्री की खरीद कर सकते हैं और उन्हें आपके द्वार तक पहुंचाया जा सकता है!

अधिक मुफ़्त डिजिटल पुस्तकें खोजें

AFTV.in/Free-Book-Library

हिन्दी, तमिल, तेलगु, कई भाषाओं में उपलब्ध है ...

Post Box No. 51 • Banjara Hills,
Hyderabad, TS, 500034

www.AmazingFactsIndia.org